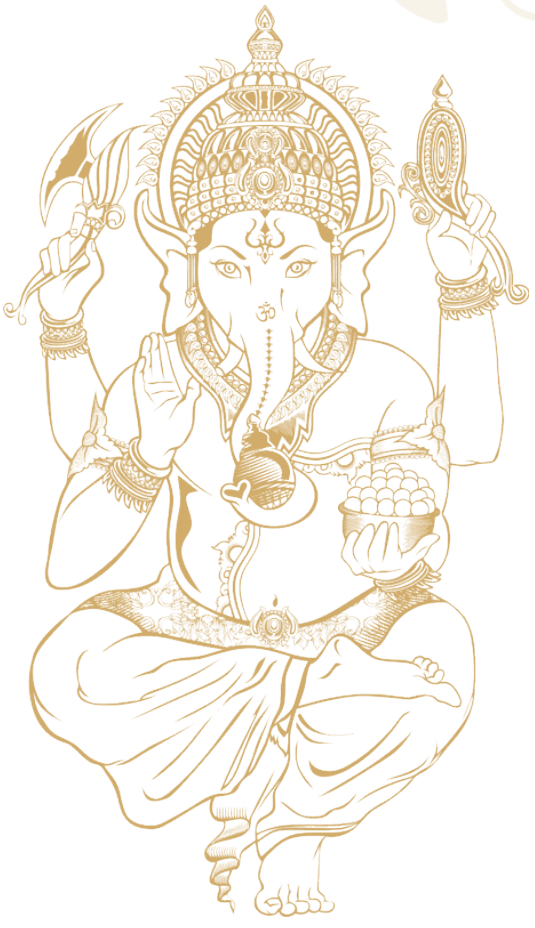

Mr.Utkarsh Vats

Ms.Radhika

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120017714

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
20/01/1996	जन्म तिथि	09/07/2000
शनिवार	दिन	रविवार
घंटे 17:24:00	जन्म समय	11:44:00 घंटे
घटी 25:23:32	जन्म समय(घटी)	15:34:09 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:14:35	सूर्योदय	05:30:20
17:49:35	सूर्यास्त	19:22:08
23:48:15	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:36

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
सूर्य 2वर्ष 1मा 4दि		01:17:53	कर्क	लग्न	कन्या	13:22:16	मंगल 2वर्ष 4मा 18दि	
राहु		05:54:00	मक	सूर्य	मिथु	23:29:02	गुरु	
24/02/2015		05:20:25	मक	चंद्र	तुला	02:07:30	26/11/2020	
24/02/2033		15:39:17	मक	मंगल	मिथु	21:15:24	26/11/2036	
राहु	07/11/2017	02:12:36	मक व	बुध व	मिथु	19:10:29	गुरु	15/01/2023
गुरु	01/04/2020	10:00:48	धनु	गुरु	वृष	07:57:43	शनि	28/07/2025
शनि	06/02/2023	12:39:15	कुंभ	शुक्र	कर्क	01:07:48	बुध	03/11/2027
बुध	25/08/2025	27:09:35	कुंभ	शनि	वृष	03:37:34	केतु	09/10/2028
केतु	13/09/2026	27:06:00	कन्या व	राहु व	कर्क	00:48:09	शुक्र	10/06/2031
शुक्र	13/09/2029	27:06:00	मीन व	केतु व	मक	00:48:09	सूर्य	28/03/2032
सूर्य	07/08/2030	06:40:39	मक	हर्ष व	मक	26:12:20	चन्द्र	28/07/2033
चन्द्र	06/02/2032	01:36:34	मक	नेप व	मक	11:48:52	मंगल	04/07/2034
मंगल	24/02/2033	08:43:10	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	16:45:07	राहु	26/11/2036

लग्न-चलित

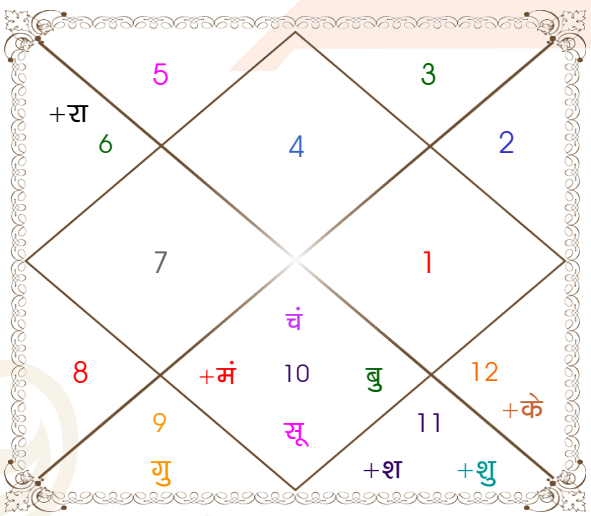

लग्न-चलित

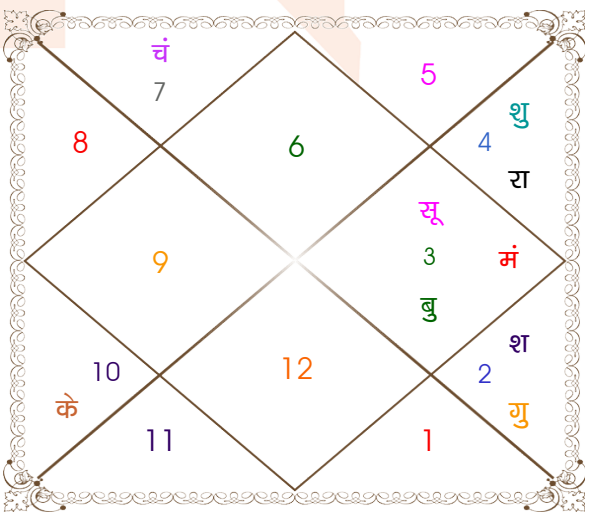

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	नकुल	व्याघ्र	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मकर	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

Mr.Utkarsh Vats का वर्ग सिंह है तथा Ms.Radhika का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गो में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.Utkarsh Vats और Ms.Radhika का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.Utkarsh Vats मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr.Utkarsh Vats कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मकर राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr.Utkarsh Vats कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Mr.Utkarsh Vats कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.Radhika मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms.Radhika कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.Utkarsh Vats तथा Ms.Radhika में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।